

Roll No.	:	
Unique Paper Code	:	121301101 / 101
Name of the Paper	:	वैदिक वाङ्मयः ऋक् संहिता एवं निरुक्त Vaidika Vanmanya : Rk.-Samhita & Nirukta
Name of the Course	:	M.A. (Sanskrit), CC
Scheme	:	LOCF/Old Course
Semester	:	I
Duration	:	3 Hours
Maximum Marks	:	70

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर पर 3 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके एकल पीडीएफ बनाकर प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
 2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
 3. The **4** questions to be completed in 3 hours on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and make single pdf the uploaded on specific portal.
-
1. पाठ्यक्रम में निर्धारित ऋग्वैदिक सूक्त अग्नि तथा सोम का सारांश लिखिए।
Write the summary of Rig Vedic Sukta अग्नि and सोम prescribed in the syllabus.
 2. ऋग्वैदिक दार्शनिक सूक्त वाक् अथवा भाववृत्तम् का विस्तृत वर्णन कीजिए।
Describe in detail the Rig Vedic philosopher Sukta वाक् or भाववृत्तम्
 3. वैदिक तुमर्थक तथा त्वार्थक प्रत्ययों पर प्रकाश डालिए।
Highlight the Vedic Suppressive and Repetitive Suffixes.
 4. निरुक्त में वर्णित यास्क द्वारा उपसर्गों के वाचकत्व एवं द्योतकत्व के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।
Describe the principle of signification and denotation of prefixes by Yaks mentioned in Nirukta.
 5. निरुक्त के अनुसार अनादिष्टदैवत मन्त्र विषय पर यास्क का मत प्रस्तुत कीजिए।
According to Nirukta, submit the opinion of Yaks on the subject of Unscriptural chant
 6. यास्कीय निर्वचन सिद्धान्तों को बताते हुए एक निबन्ध लिखिए।
Write an essay explaining the Yask's interpreting principles.

This question paper contains 1 printed page.

December, 2021

Roll No. :
Unique Paper Code : 121301102 / 102
Name of the Paper : साहित्यशास्त्र: साहित्यदर्पण
Poetics: Sahityadarpana
Name of the Course : M.A. (Sanskrit), CC
Scheme : LOCF/Old Course
Semester : I
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 70

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर पर 3 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके एकल पीडीएफ बनाकर प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
3. The **4** questions to be completed in 3 hours on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and make single pdf the uploaded on specific portal.

1. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' विश्वनाथ की इस स्थापना की समीक्षा कीजिए।
Critically discuss 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' as established by Viśvanātha.
2. विश्वनाथ के अनुसार लक्षणा को परिभाषित करते हुए उसके मुख्य 16 भेदों की विस्तृत विवेचना कीजिए।
Defining Lakṣaṇā according to Viśvanātha and elucidate its 16 principal types.
3. रस के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए साधारणीकरण की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
Highlighting the nature of Rasa explain the role of साधारणीकरण.
4. ध्वनिकाव्य क्या है? उसके प्रमुख 18 भेदों की विस्तृत विवेचना कीजिए।
What is Dhvani Kāvya? Explain its 18 main types in detail.
5. विश्वनाथ के अनुसार सन्धि की परिभाषा बतलाते हुए उसके पाँच प्रमुख भेदों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।
Defining Sandhi according to Viśvanātha explain its five principal types with the help of illustrations.
6. साहित्यदर्पण में निरूपित महाकाव्य के स्वरूप को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।
Explain in detail the nature of Mahākāvya as depicted in Sāhityadarpaṇa.

This question paper contains 1 printed page.

December, 2021

Roll No.	:	
Unique Paper Code	:	121301103 / 103
Name of the Paper	:	साहित्य- नैषध एवं मृच्छकटिक Sahitya : Naisadha & Mrcchakatika
Name of the Course	:	M.A. (Sanskrit), CC
Scheme	:	LOCF/Old Course
Semester	:	I
Duration	:	3 Hours
Maximum Marks	:	70

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर पर 3 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके एकल पीडीएफ बनाकर प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
3. The **4 questions** to be completed in 3 hours on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and make single pdf the uploaded on specific portal.

1. “नैषधं विद्वदौषधम्” का विस्तृत विवेचन कीजिए।

Describe the “नैषधं विद्वदौषधम्” in detail.

2. नैषधमहाकाव्य के अनुसार राजा नल की पवित्रता तथा विद्वत्ता का प्रतिपादन कीजिए।
Render the purity and scholarship of King Nala according to Naishadhamhakavya.
3. क्रीडासरोवर में राजहंसों के अनुरागयुक्त विलास का वर्णन कीजिए।
Describe the adoring luxury of flamingos in Kridasarovar.
4. मृच्छकटिक के प्रथम अंक का वर्णन कीजिए।
Describe the first canto of Mrichchhakatika.
5. मृच्छकटिकम् के नाम-औचित्य का प्रतिपादन कीजिए।
Explain the name-justification of Mrichhakatikam.
6. मृच्छकटिकम् में वर्णित तत्कालीन समाज का वर्णन कीजिए।
Describe the contemporary society described in Mrichhakatikam.

This question paper contains 1 printed page.

December, 2021

Roll No. :
Unique Paper Code : 121301104 / 104
Name of the Paper : संस्कृत वाङ्मय में प्रतिपादित सभ्यता एवं संस्कृति की रूपरेखा
Outline of Culture & Civilization in Sanskrit Literature
Name of the Course : M.A. (Sanskrit), CC
Scheme : LOCF/Old Course
Semester : I
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 70

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर पर 3 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके एकल पीडीएफ बनाकर प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
 2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
 3. The **4** questions to be completed in 3 hours on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and make single pdf the uploaded on specific portal.
-
1. सभ्यता एवं संस्कृति को परिभाषित करते हुए प्राचीन भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
Defining the Culture and Civilization, Describe the major features of Ancient Indian Culture.
 2. रामायणकालीन सभ्यता एवं संस्कृति पर निबन्ध लिखिए।
Write essay on the culture and civilization of Ramayana Period.
 3. प्राचीन भारतीय आश्रम व्यवस्था का विस्तार में वर्णन कीजिए।
Describe the Ancient Indian Ashrama System in detail.
 4. प्राचीन भारत में स्त्रियों की स्थिति पर प्रकाश डालिए।
Describe the status of women in Ancient India.
 5. जैन-धर्म के प्रमुख दार्शनिक सिद्धान्तों का विस्तार में वर्णन कीजिए।
Describe the main philosophical thought of Jainism.
 6. शैव-धर्म के उद्भव, विकास एवं प्रमुख सिद्धान्तों का विवेचन कीजिए।
Describe the origin, development and thought of Shaiva Dharma.